(समय प्रमाण बापदादा का सन्देश-मोहिनी बहन न्युयार्क)

ओम् शान्ति 14-10-20 मधुबन

(न्युयार्क (अमेरिका) की मोहिनी बहन, जो बाबा की बहुत पुरानी सन्देशी हैं। समय प्रति समय वतन के बहुत सुन्दर सन्देश लेकर आती हैं। आज भी समय के अनुसार विशेष अटेन्शन देने का सन्देश बापदादा ने उनके द्वारा भेजा है, जो आप सबके पास भेज रहे हैं, सभी अपने भाई बहिनों को अवश्य सुनाना जी। **बी.के. राजू**

आज प्यारे बापदादा के पास वतन में जाना हुआ तो बापदादा ने सभी बच्चों को विशेष यादप्यार देते हुए कहा कि सभी बच्चे समझदार तो हैं ही। समय प्रमाण बाबा के इशारों को भी समझते हैं। यह जो समय चल रहा है, यह सभी बच्चों को स्वयं पर विशेष अटेन्शन देकर अपनी अचल-अडोल स्थिति बनाने का है। बापदादा से जो समय प्रति समय वरदान मिले हैं, वह सभी वरदान स्वयं प्रति और यज्ञ प्रति कार्य में लाने हैं। यह वरदानों की स्मृति ही स्वयं को शक्ति और सुरक्षा देती रहेगी। बाबा ने विशेष व्यक्तिगत रूप से और यज्ञ के प्रति इशारा दिया कि सभी बच्चों को अभी एकनामी और इकॉनामी के साथ चलना है।

इस अन्तिम समय में माया अलग-अलग प्रकार से पेपर लेने की कोशिश करेगी लेकिन बच्चों को सदा याद रखना है कि सत्य की नांव हिलेगी, डुलेगी लेकिन डूबेगी नहीं। बाहर का वातावरण और परिस्थितियां तो विकारों के फुलफोर्स से भरी हुई हैं, यह विकारों के फुलफोर्स की एनर्जी उन आत्माओं पर प्रभाव डालेगी जिनके संस्कार कमजोर होंगे, इसलिए ऐसे समय पर बच्चों को बापदादा के शक्तिशाली वरदानों को स्मृति में रख अपने आपकी रक्षा करनी है। सदा यही स्मृति रहे कि हम बापदादा की छत्रछाया के नीचे हमेशा सुरक्षित और शक्तिशाली हैं। बच्चों को अपने हर संकल्प, बोल और कर्म सदा पवित्र रखने हैं। बापदादा की गुप्त मदद, ड्रामा का सहयोग, प्राप्त किये हुए वरदान और साथ-साथ आदि रत्न आत्माओं के वरदान सदा बच्चों को आगे बढ़ाने में मदद करते रहेंगे। सिर्फ बच्चे अपनी शक्तियों को कहीं भी वेस्ट नहीं करें। समय प्रति समय बापदादा से जो भी शक्तियां मिली हैं, उन्हें अपने अन्दर की कमियों को निकालने में लगायें, नहीं तो यह कमियां समय पर धोखा दे देंगी।

बापदादा ने विशेष अटेन्शन खिंचवाते हुए कहा, कि बच्चे, अभी व्यक्त में आते अव्यक्त स्थिति में रहने का अभ्यास बढ़ाओ। बीती बातों में न जाते हुए हमेशा अपनी अन्तिम स्टेज पर ध्यान दो। सदा अविनाशी खुशी में रहते अपने घर और सेन्टर्स को सुरक्षित और शुद्ध रखने के लिए वातावरण को पवित्र और शान्तपूर्ण बनाना। हर एक अपनी दिनचर्या ऐसी बनाओ जिसमें कुछ समय बैठकर बाबा की याद का समय हो। कर्म करते तो याद में रहना ही है लेकिन कुछ समय बैठकर विशेष बाबा की याद में तपस्या करना आवश्यक है। जैसे हर घण्टे में ट्रैफिक कन्ट्रोल के समय एक मिनट से पांच मिनट तक बढ़ा सकते हो या फिर याद के समय को बढ़ा सकते हो।

आने वाला समय और परिस्थितियां अब ऐसी होंगी, जो आपमें अनेक भाव और भावनायें उत्पन्न करेंगी। ऐसे समय पर परिस्थितियों को स्वयं पर हावी होने नहीं देना। उनका प्रभाव अपनी भाव और भावनाओं पर ना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखना। किसी भी परिस्थिति में प्रभावित नहीं होना। विशेषकर अटेन्शन रख अपनी भावनाओं को हलचल में आने नहीं देना। ऐसे प्यार भरे इशारे देते हुए बापदादा ने देश विदेश के सभी बच्चों को विशेष याद दी। ओम् शान्ति।